तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 49/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

# भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2019

(www.trai.gov.in)

## 31 मई, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

| विवरण | वायरलैस | वायरलाइन | कुल (वायरलैस + वायरलाइन) |
|---|---|---|---|
| टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में) | **1161.86** | **21.29** | **1183.15** |
| मई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में) | -0.44 | -0.18 | -0.62 |
| मासिक वृद्धि दर | -0.04% | -0.85% | -0.05% |
| शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) | 656.27 | 18.39 | 674.66 |
| मई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में) | 3.92 | -0.12 | 3.79 |
| मासिक वृद्धि दर | 0.60% | -0.67% | 0.57% |
| ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) | **505.59** | **2.90** | **508.49** |
| मई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में) | -4.36 | -0.06 | -4.41 |
| मासिक वृद्धि दर | -0.85% | -1.98% | -0.86% |
| समग्र दूरसंचार–घनत्व * | **88.31** | **1.62** | **89.92** |
| शहरी दूरसंचार–घनत्व* | 156.41 | 4.38 | 160.79 |
| ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व* | 56.42 | 0.32 | 56.74 |
| शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी | 56.48% | 86.39% | 57.02% |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी | 43.52% | 13.61% | 42.98% |
| ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) | **563.06** | **18.45** | **581.51** |

- मई, 2019 के माह में 4.18 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से अप्रैल, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 432.97 मिलियन से बढ़कर मई, 2019 के अंत तक 437.15 मिलियन हो गया।

- मई, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 989.60 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

**I.** कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- अप्रैल, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,183.77 मिलियन से मामूली घटकर मई, 2019 के अंत तक 1,183.15 हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.05 प्रतिशत दर्ज की गयी। अप्रैल, 2019 के अंत तक ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 512.91 मिलियन से घटकर मई, 2019 के अंत तक 508.49 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 670.86 मिलियन से बढ़कर 674.66 मिलियन हो गई। मई, 2019 माह के दौरान ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.86 प्रतिशत तथा 0.57 प्रतिशत रही।

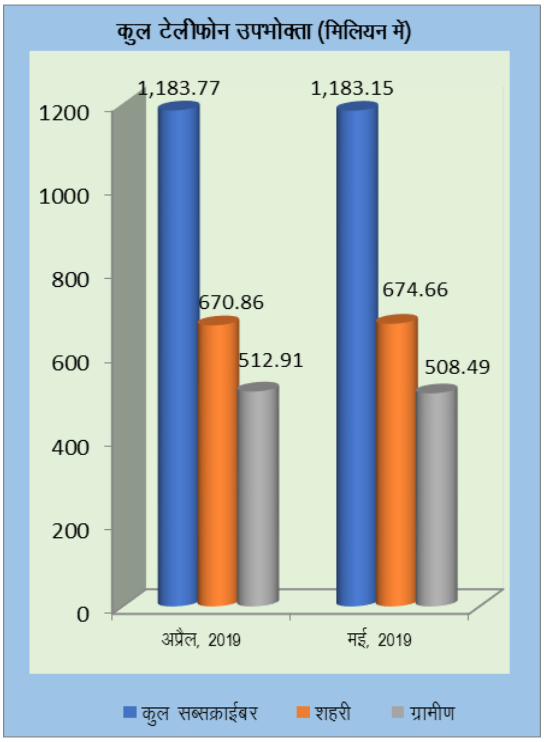


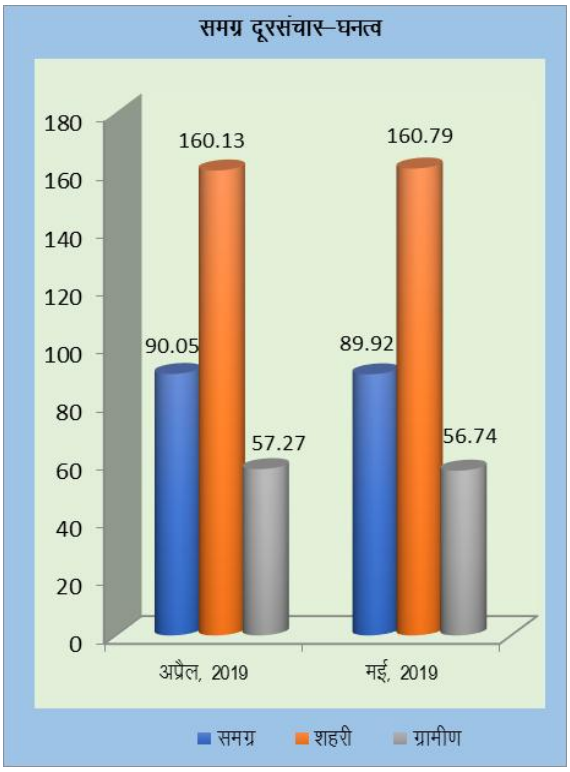


- अप्रैल, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.05 से घटकर मई, 2019 के अंत तक 89.92 हो गया। ग्रामीण दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2019 के अंत तक 57.27 से घटकर मई, 2019 के अंत तक 56.74 हो गया, जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2019 के अंत तक 160.13 से बढ़कर मई, 2019 के अंत तक 160.79 हो गया। मई, 2019 के अंत तक ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 42.98 प्रतिशत तथा 57.02 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र / राज्यवार)

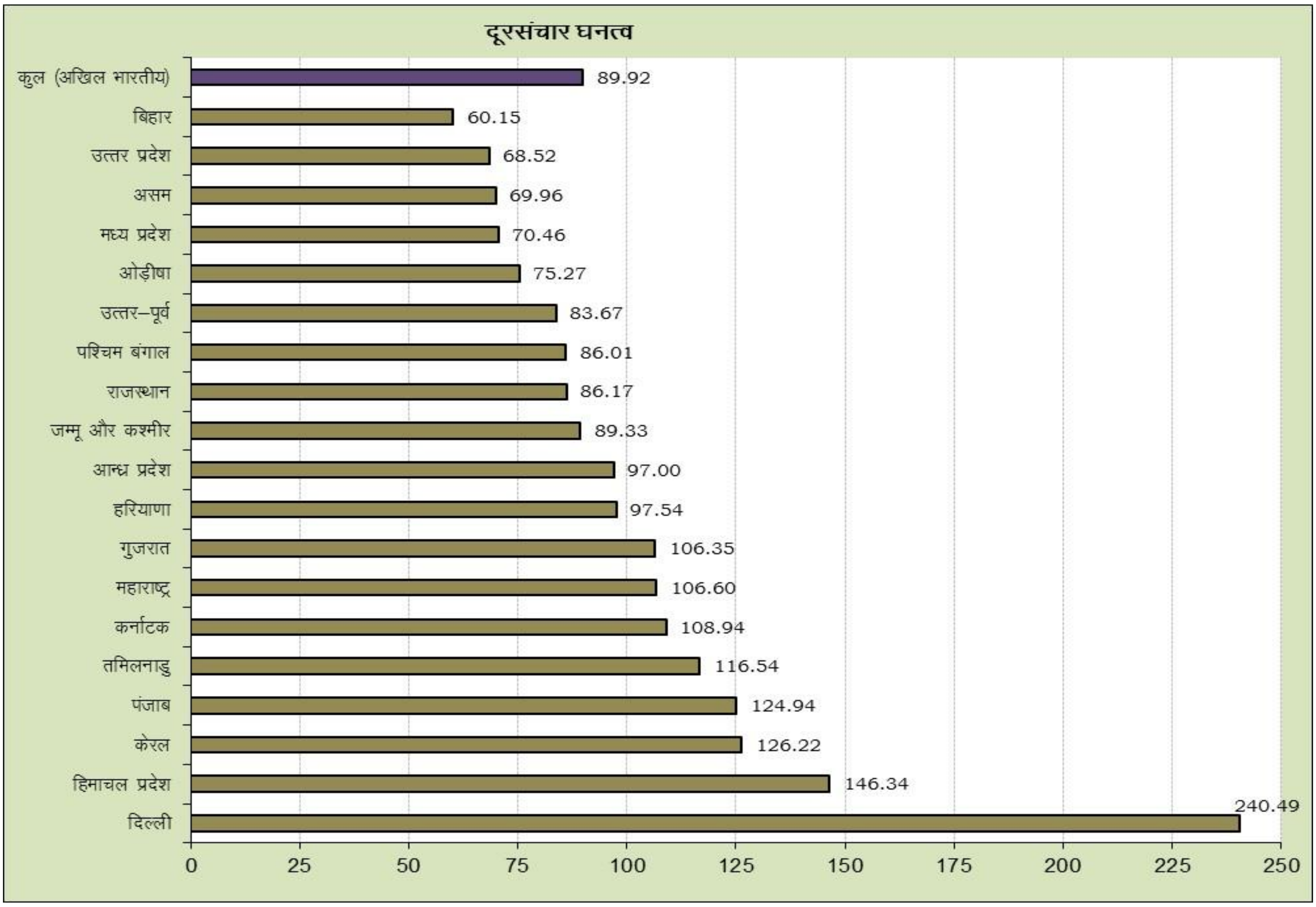


- मई, 2019 के अंत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 240.49 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 60.15 रहा।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े / अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

## II. श्रेणीवार वृद्धि

मई, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

| सेवा क्षेत्र श्रेणी | मई, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता | | दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या | |
|---|---|---|---|---|
| | वायरलाइन | वायरलेस | वायरलाइन | वायरलेस |
| श्रेणी – क | -132,674 | -342,027 | 8,258,811 | 397,825,228 |
| श्रेणी – ख | -41,019 | -919,001 | 5,262,312 | 471,584,604 |
| श्रेणी – ग | -11,047 | 507,587 | 880,859 | 175,268,060 |
| महानगर | 1,874 | 314,786 | 6,887,165 | 117,181,729 |
| अखिल भारतीय | **-182,866** | **-438,655** | **21,289,147** | **1,161,859,621** |

मई, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

| सेवा क्षेत्र श्रेणी | मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अप्रैल, 2019 से मई, 2019 तक) | | वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मई, 2018 से मई, 2019 तक) | |
|---|---|---|---|---|
| | वायरलाइन | वायरलेस | वायरलाइन | वायरलेस |
| श्रेणी – क | -1.58 | -0.09 | -6.89 | 0.89 |
| श्रेणी – ख | -0.77 | -0.19 | -7.38 | 2.44 |
| श्रेणी – ग | -1.24 | 0.29 | -12.36 | 5.12 |
| महानगर | 0.03 | 0.27 | -0.92 | 6.92 |
| अखिल भारतीय | **-0.85** | **-0.04** | **-5.42** | **2.73** |

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मई, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में श्रेणी–ग एवं महानगर के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि 'क' एवं 'ख' श्रेणियों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी हुई है। हालांकि वार्षिक आधार पर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, मई, 2019 माह के दौरान महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर्ज की गई है।

## III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- अप्रैल, 2019 के अंत तक कुल वाय रलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,162.30 मिलियन से घटकर मई, 2019 के अंत तक 1,161.86 मिलियन हो गई तथा मासिक ह्रास दर 0.04 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2019 के अंत तक 652.35 मिलियन से बढ़कर मई, 2019 के अंत तक 656.27 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 509.95 मिलियन से घटकर 505.59 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.60 प्रतिशत तथा –0.85 प्रतिशत रही।

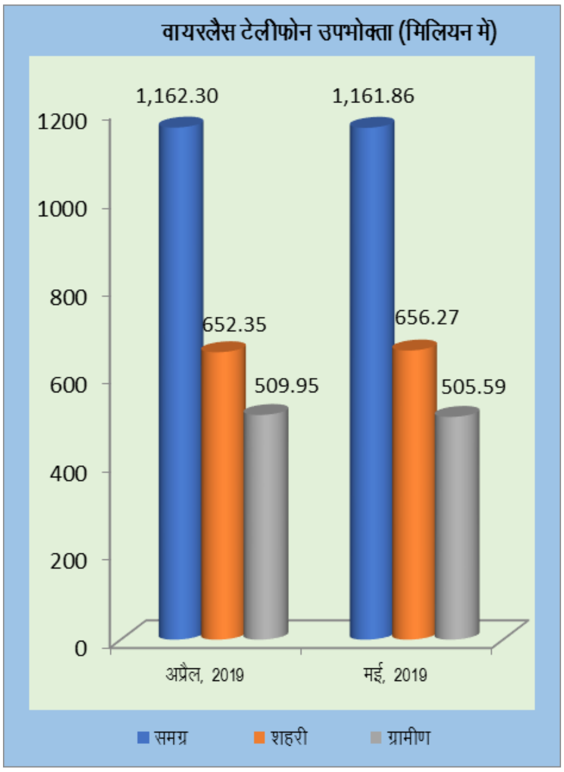


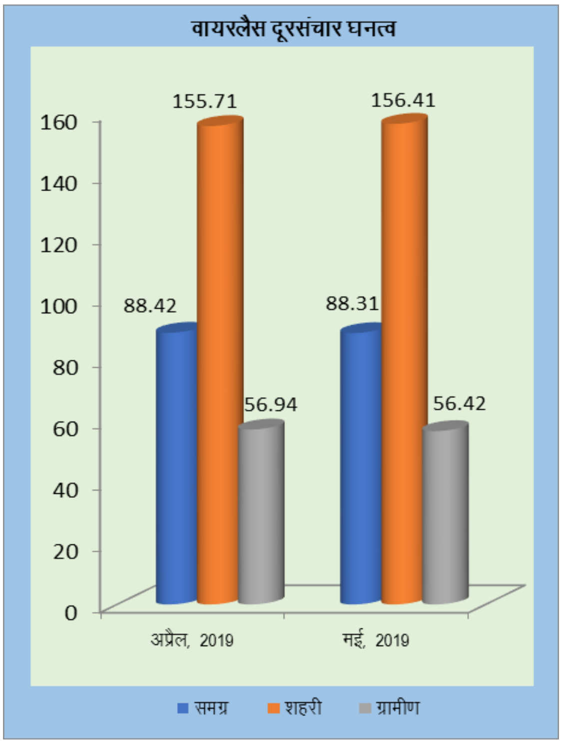


- अप्रैल, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 88.42 से घटकर मई, 2019 के अंत तक 88.31 हो गया। शहरी क्षेत्रों में अप्रैल, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 155.71 से बढ़कर मई, 2019 के अंत में 156.41 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 56.94 से घटकर 56.42 हो गया। मई, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.48 प्रतिशत तथा 43.52 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.72 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

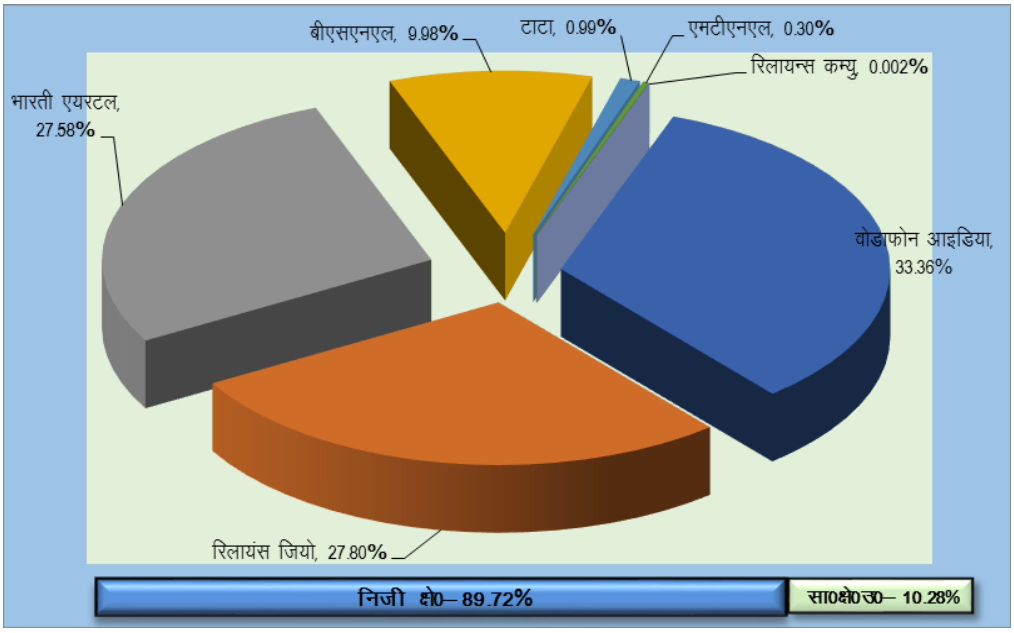


मई, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

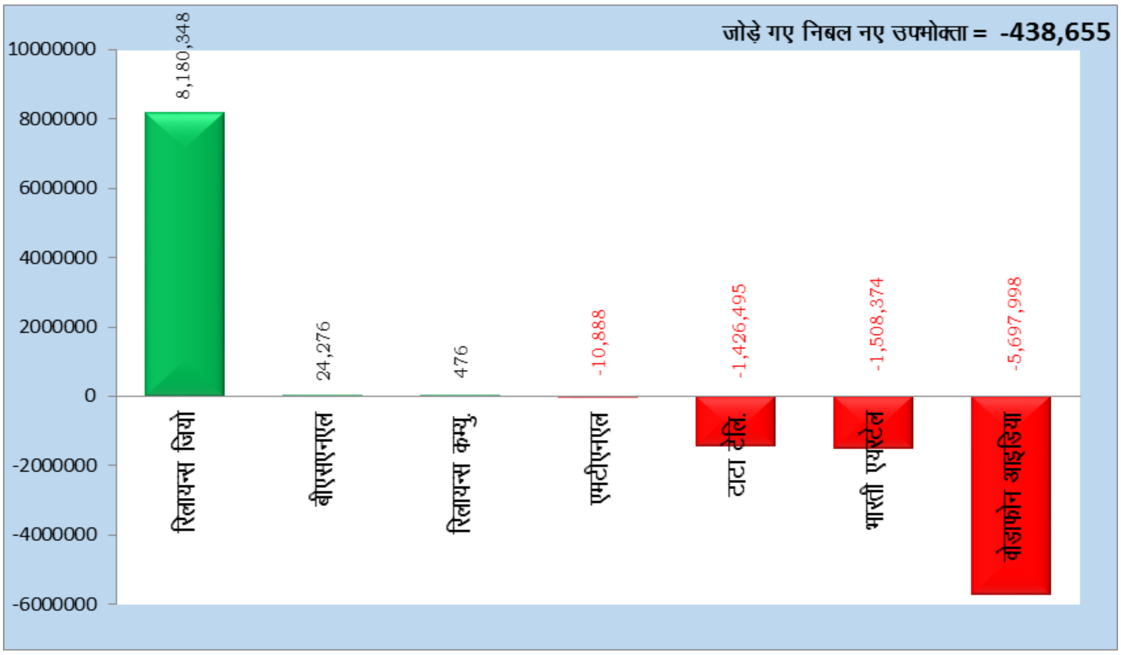


नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

## IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मई, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,161.86 मिलियन) में से 989.60 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 85.17 प्रतिशत था।

- मई, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मई, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

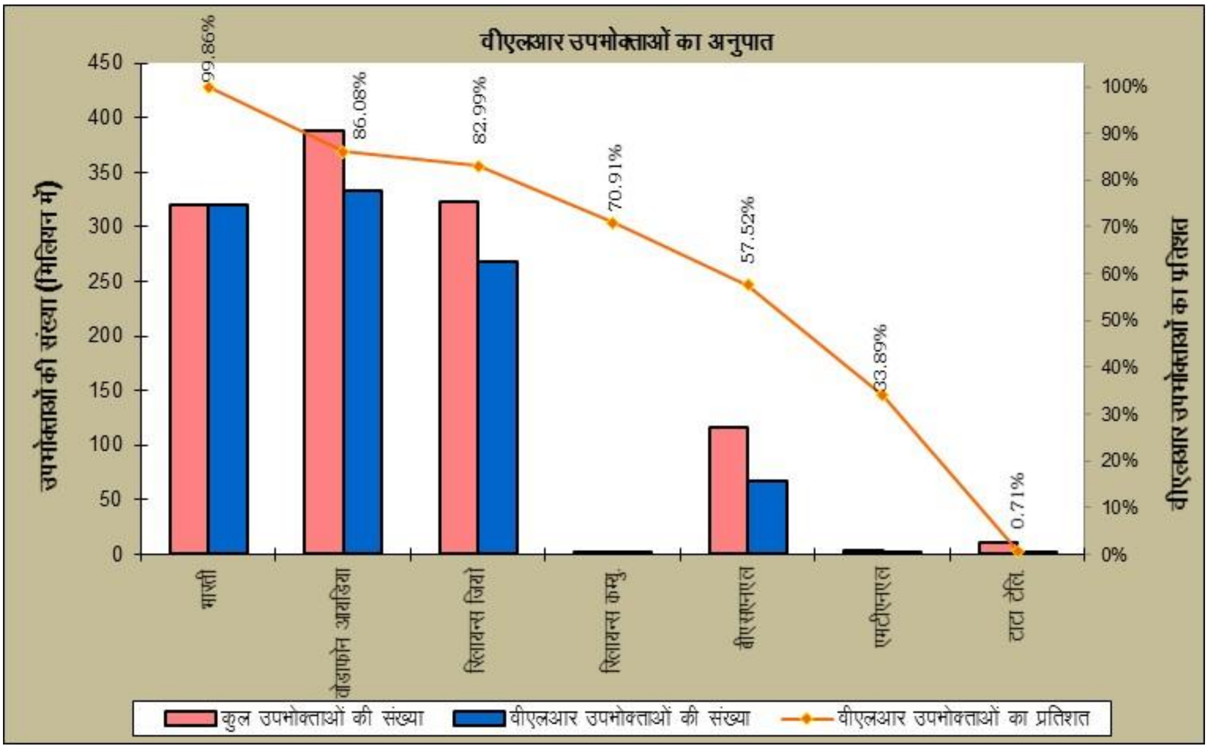


- मई, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 99.86 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

मई, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

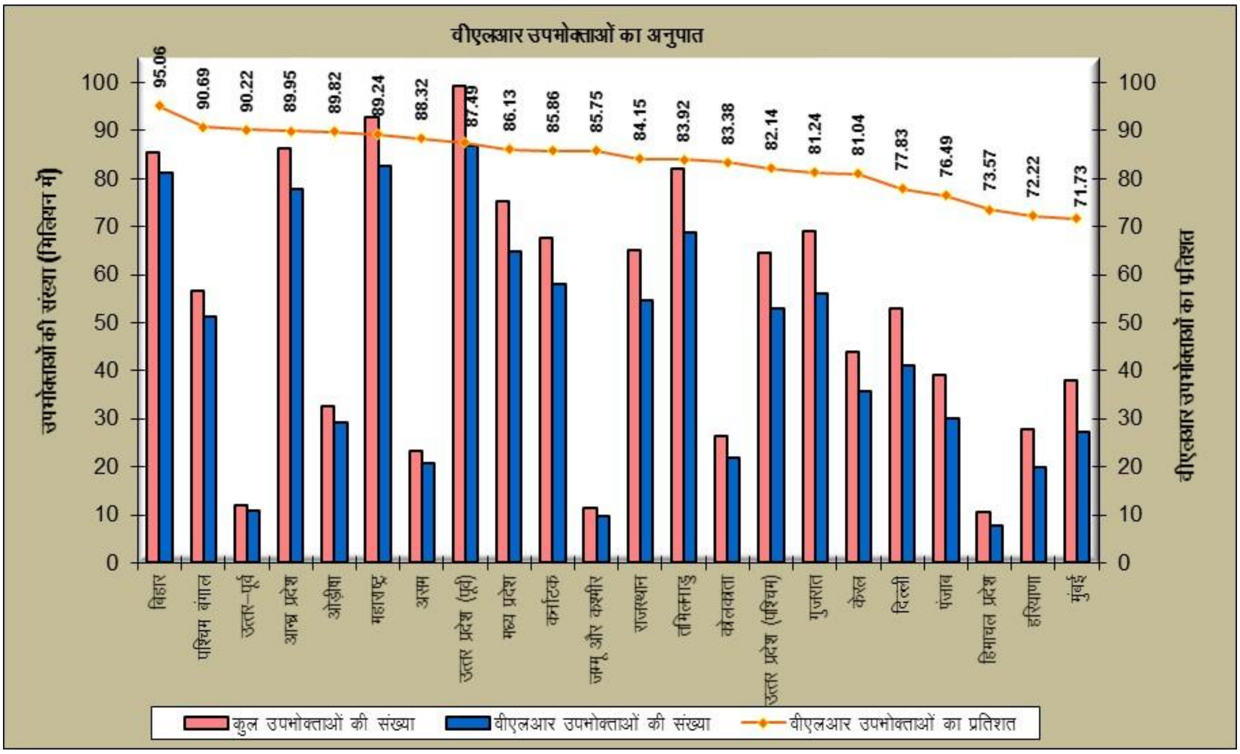


## V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मई, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

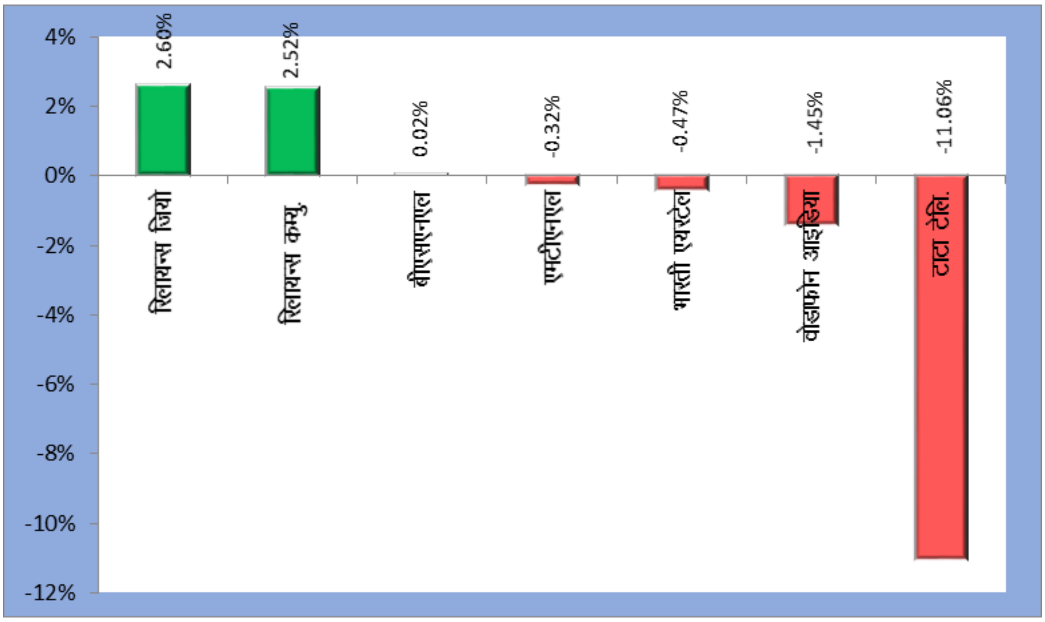


नोट – बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

मई, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

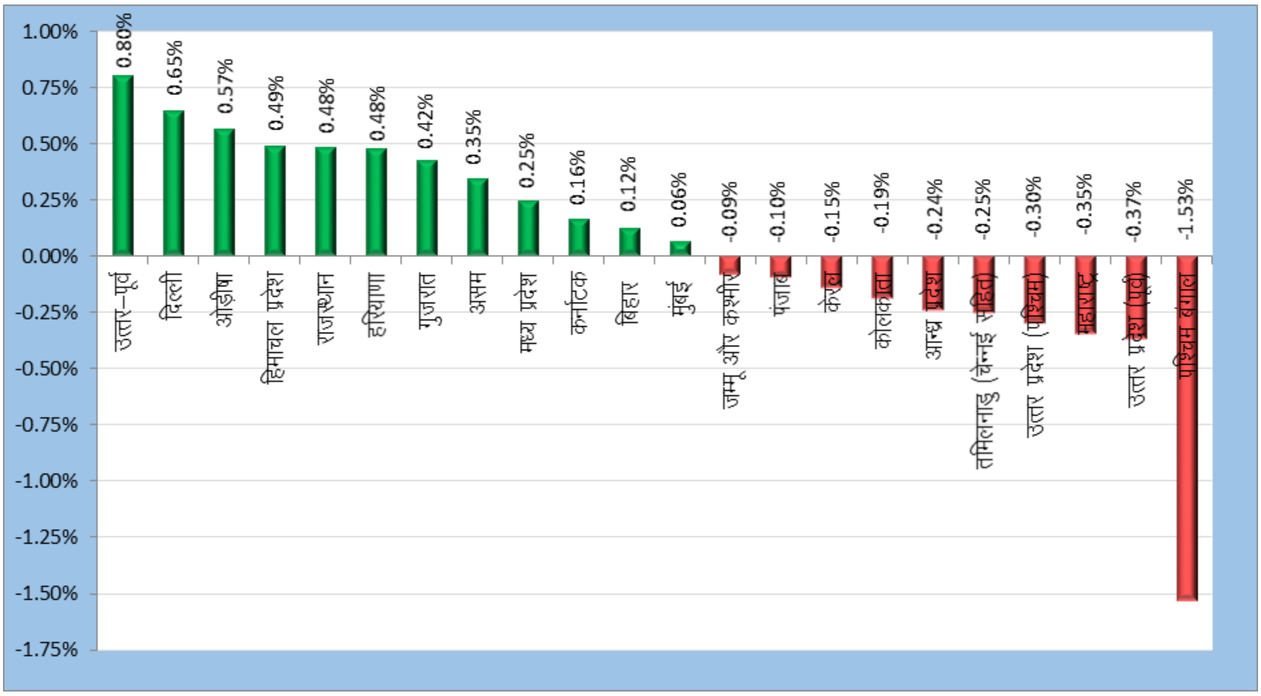


- मई, 2019 माह के दौरान 22 सेवा क्षेत्रों में से 12 सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई। उत्तर–पूर्व सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई जबकि पश्चिम बंगाल सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

**VI.** मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मई, 2019 के माह में कुल 4.18 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 4.18 मिलियन अनुरोधों में से 2.29 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 1.89 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध अप्रैल, 2019 के अंत तक 432.97 मिलियन से बढ़कर मई, 2019 के अंत तक 437.15 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 34.72 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 32.03 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 40.45 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 36.97 मिलियन) एवं तमिलनाडु में (लगभग 36.89 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

| सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| जोन–I | | | जोन–II | | |
| सेवा क्षेत्र | पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या | | सेवा क्षेत्र | पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या | |
| | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 |
| दिल्ली | 22.29 | 22.54 | आन्ध्र प्रदेश | 36.66 | 36.97 |
| गुजरात | 28.80 | 29.11 | असम | 3.40 | 3.43 |
| हरियाणा | 15.78 | 15.94 | बिहार | 17.29 | 17.55 |
| हिमाचल प्रदेश | 2.11 | 2.13 | कर्नाटक | 40.15 | 40.45 |
| जम्मू और कश्मीर | 1.05 | 1.07 | केरल | 10.45 | 10.58 |
| महाराष्ट्र | 31.59 | 32.03 | कोलकाता | 10.39 | 10.46 |
| मुंबई | 22.22 | 22.37 | मध्य प्रदेश | 28.37 | 28.65 |
| पंजाब | 16.65 | 16.87 | उत्तर–पूर्व | 1.33 | 1.34 |
| राजस्थान | 34.47 | 34.72 | ओड़ीशा | 8.65 | 8.72 |
| उत्तर प्रदेश–पूर्व | 23.77 | 24.01 | तमिलनाडु | 36.62 | 36.89 |
| उत्तर प्रदेश–पश्चिम | 19.18 | 19.41 | पश्चिम बंगाल | 21.75 | 21.90 |
| कुल | **217.92** | **220.22** | कुल | **215.05** | **216.94** |
| कुल (जोन–I + जोन–II) | | | | **432.97** | **437.15** |
| जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मई, 2019 माह में) | | | | 4.18 मिलियन | |

## VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2019 के अंत तक 21.47 मिलियन से और घटकर मई, 2019 के अंत तक 21.29 मिलियन हो गया। इस माह में 0.85 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.18 मिलियन की निबल कमी हुई। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- मई, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 86.39 प्रतिशत तथा 13.61 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व अप्रैल माह के अंत में 1.63 से घटकर मई माह के अंत में 1.62 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.38 तथा 0.32 रहा।

- मई, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 65.60 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। मई, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

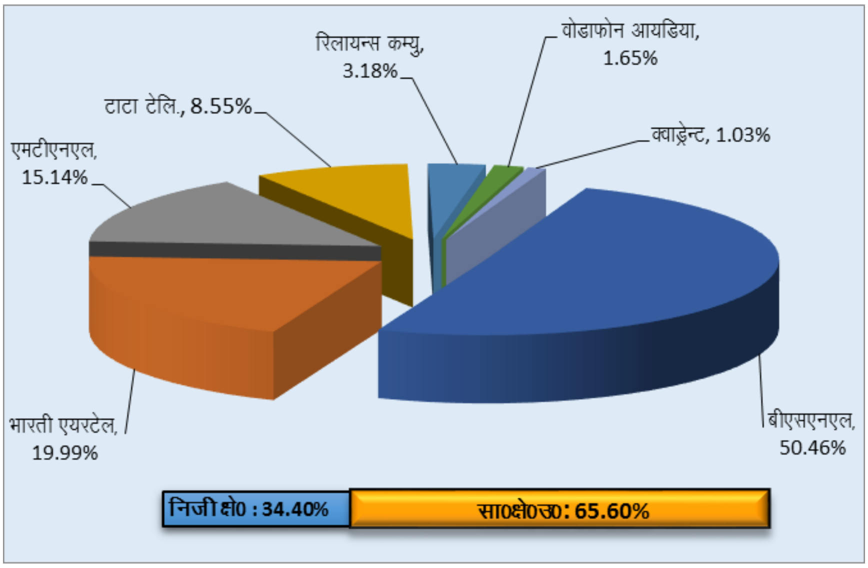


मई, 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

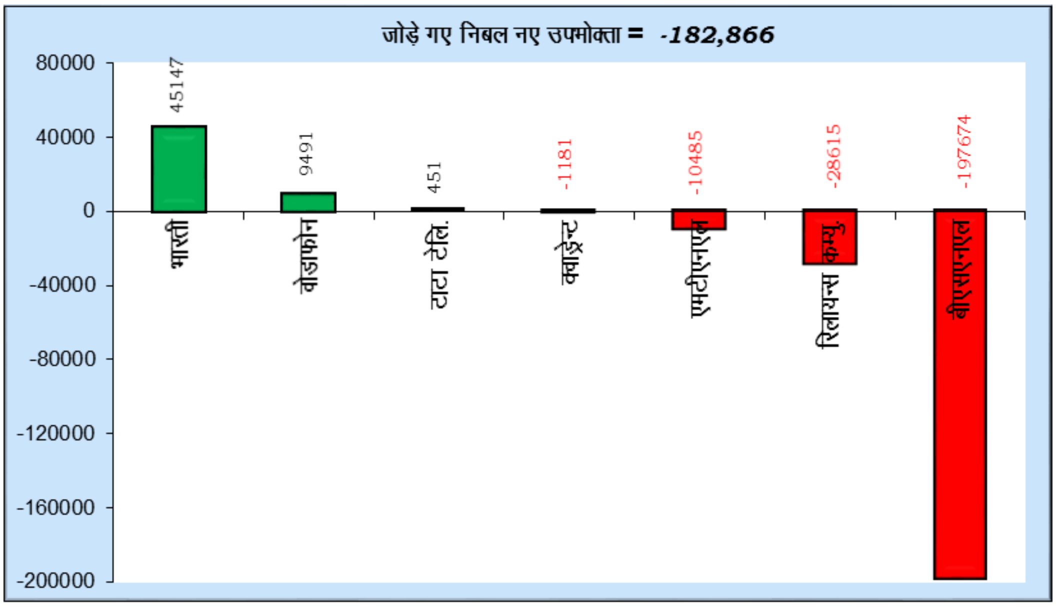

**VIII.** ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- मई माह में 322 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अप्रैल, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 571.95 मिलियन से बढ़कर मई, 2019 के अंत में 581.51 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.67 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

| विवरण | ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में) | | मई, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत) |
|---|---|---|---|
| | दिनांक 30 अप्रैल, 2019 की स्थिति के अनुसार | दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार | |
| वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या | 18.41 | 18.45 | 0.17% |
| मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल) | 552.25 | 562.52 | 1.86% |
| फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू–प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी) | 1.28* | 0.54* | -57.62%* |
| कुल | **571.95** | **581.51** | **1.67%** |

*मेसर्स बीएसएनएल के द्वारा उनके वाई–फाई उपभोक्तओं की संख्या में अत्यधिक बढ़ोतरी रिपोर्ट करने के कारण फिक्स्ड वायरलेस बॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

- मई, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.69 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (322.99 मिलियन), भारती एयरटेल (118.34 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (109.01 मिलियन), बीएसएनएल (21.67 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.87 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

दिनांक 31.05.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

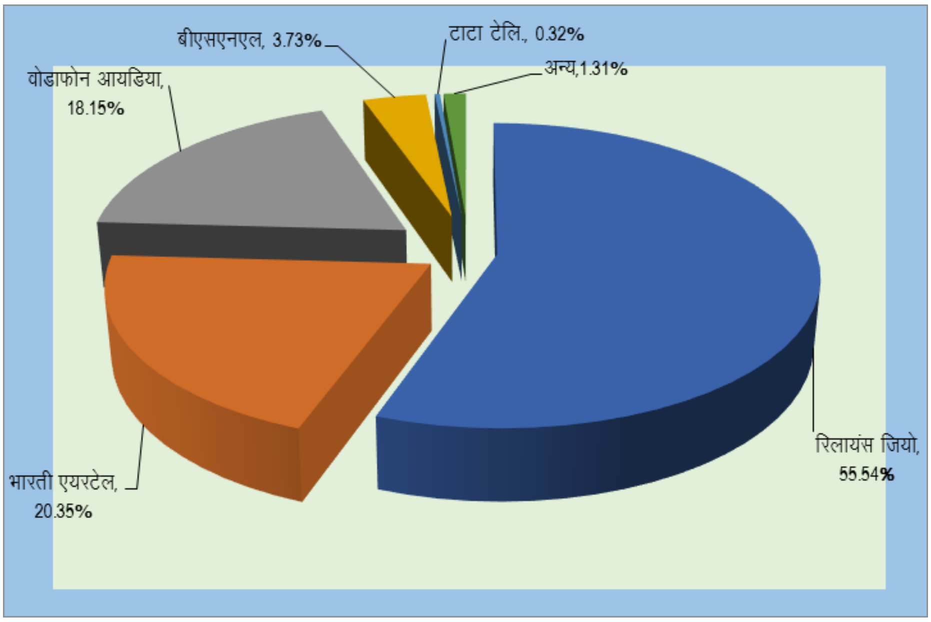


- दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.09 मिलियन), भारती एयरटेल (2.39 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.44 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.83 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मई, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (322.99 मिलियन), भारती एयरटेल (115.95 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (108.99 मिलियन), बीएसएनएल (12.57 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.49 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेल: skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत:

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

# वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

| सेवा क्षेत्र | सेवा प्रदाता समूह | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | भारती एयरटेल | | रिलायन्स कम्यु. | | वोडाफोन आइडिया | | टाटा टेलि. | | बीएसएनएल | | बीएसएनएल (वीएनओ) | | एमटीएनएल | | रिलायंस जियो | | कुल | |
| | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 |
| आन्ध्र प्रदेश | 22161387 | 21538117 | 1227200 | 1113693 | 10118284 | 10090124 | 1227200 | 1113693 | 10118284 | 10090124 | | | | | 25171351 | 25924717 | **86594639** | **86383061** |
| असम | 6046923 | 5847108 | | | 2582631 | 2603739 | | | 2582631 | 2603739 | | | | | 6481873 | 6715313 | **23313401** | **23394307** |
| बिहार | 20781172 | 20401067 | 184616 | 160956 | 4633007 | 4690284 | 184616 | 160956 | 4633007 | 4690284 | | | | | 23086893 | 23557154 | **85407786** | **85514082** |
| दिल्ली | 19107339 | 19084424 | 20 | 20 | | | 20 | 20 | | | | | 2210039 | 2207109 | 15579974 | 16025999 | **52481548** | **52821770** |
| गुजरात | 31284128 | 31094343 | 519111 | 447972 | 6009622 | 6029818 | 519111 | 447972 | 6009622 | 6029818 | | | | | 20049640 | 20608506 | **68684706** | **68976427** |
| हरियाणा | 10487533 | 10496204 | 587728 | 536647 | 4981533 | 4927066 | 587728 | 536647 | 4981533 | 4927066 | | | | | 7666193 | 7906729 | **27619524** | **27751115** |
| हिमाचल प्रदेश | 1361751 | 1338986 | 1656 | 964 | 2834960 | 2850927 | 1656 | 964 | 2834960 | 2850927 | | | | | 2918781 | 2993689 | **10478602** | **10530157** |
| जम्मू और कश्मीर | 1165415 | 1164945 | | | 1249063 | 1174065 | | | 1249063 | 1174065 | | | | | 3457077 | 3499149 | **11349688** | **11339647** |
| कर्नाटक | 14417806 | 14303981 | 2294198 | 2079570 | 7211769 | 7213922 | 2294198 | 2079570 | 7211769 | 7213922 | | | | | 16976241 | 17523697 | **67546775** | **67658144** |
| केरल | 20369326 | 20181134 | 195602 | 167426 | 10902439 | 10907078 | 195602 | 167426 | 10902439 | 10907078 | | | | | 7405656 | 7577299 | **44102322** | **44038104** |
| कोलकाता | 9060302 | 8925949 | 791070 | 697901 | 1606178 | 1613991 | 791070 | 697901 | 1606178 | 1613991 | | | | | 8813745 | 9003329 | **26330419** | **26280286** |
| मध्य प्रदेश | 29179554 | 28871781 | 1294597 | 1148975 | 6231475 | 6443731 | 1294597 | 1148975 | 6231475 | 6443731 | | | | | 23944406 | 24481522 | **75149347** | **75336117** |
| महाराष्ट्र | 45804705 | 45064239 | 1007033 | 880679 | 7125266 | 7184116 | 1007033 | 880679 | 7125266 | 7184116 | | | | | 24086190 | 24733559 | **93027114** | **92703040** |
| मुंबई | 15170441 | 15053353 | 508301 | 450416 | | | 508301 | 450416 | | | | | 1239014 | 1231056 | 12168118 | 12414725 | **38054976** | **38079673** |
| उत्तर–पूर्व | 2346612 | 2333501 | | | 1447884 | 1445788 | | | 1447884 | 1445788 | | | | | 2872294 | 2976541 | **11864034** | **11959144** |
| ओड़ीशा | 4729841 | 4655611 | 321789 | 273934 | 5759960 | 5747843 | 321789 | 273934 | 5759960 | 5747843 | | | | | 9482869 | 9798394 | **32346962** | **32530723** |
| पंजाब | 10949382 | 10979406 | 632993 | 571145 | 5471567 | 5436068 | 632993 | 571145 | 5471567 | 5436068 | | | | | 12164398 | 12243425 | **39233691** | **39195208** |
| राजस्थान | 16680859 | 16479114 | 64226 | 50294 | 6031050 | 6036695 | 64226 | 50294 | 6031050 | 6036695 | | | | | 20262327 | 20875207 | **64698689** | **65010420** |
| तमिलनाडु (चेन्नई सहित) | 24113829 | 23883853 | 996952 | 878291 | 12092199 | 12122159 | 996952 | 878291 | 12092199 | 12122159 | 81890 | 104041 | | | 20009887 | 20286806 | **82314021** | **82104556** |
| उत्तर प्रदेश (पूर्व) | 34184906 | 33683802 | 1254004 | 1101249 | 11804646 | 11627544 | 1254004 | 1101249 | 11804646 | 11627544 | | | | | 22128624 | 22720001 | **99643227** | **99269601** |
| उत्तर प्रदेश (पश्चिम) | 29006671 | 28511989 | 1004709 | 906062 | 5933682 | 5849878 | 1004709 | 906062 | 5933682 | 5849878 | | | | | 16182369 | 16746156 | **64667136** | **64472559** |
| पश्चिम बंगाल | 24844989 | 23663966 | 15662 | 8778 | 1865947 | 1900451 | 15662 | 8778 | 1865947 | 1900451 | | | | | 13898313 | 14375650 | **57389669** | **56511480** |
| **कुल** | **393254871** | **387556873** | **12901467** | **11474972** | **115893162** | **115895287** | **12901467** | **11474972** | **115893162** | **115895287** | **81890** | **104041** | **3449053** | **3438165** | **314807219** | **322987567** | **1162298276** | **1161859621** |
| **जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या** | | -5697998 | | -1426495 | | 2125 | | -1426495 | | 2125 | | 22151 | | -10888 | | 8180348 | **0** | **-438655** |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | *205210477* | *200304689* | *1553076* | *1393578* | *36640185* | *36673588* | *1553076* | *1393578* | *36640185* | *36673588* | *0* | *0* | *46190* | *46129* | *120187631* | *124024266* | **509949386** | **505593579** |

अनुलग्नक–**II**

## मई, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

| सेवा क्षेत्र | भारती | बीएसएनएल | वोडाफोन आइडिया | एमटीएनएल | रिलायन्स कम्यु. | रिलायन्स जियो | टाटा टेलि. | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आन्ध्र प्रदेश | 104.91 | 66.42 | 97.19 | | 68.85 | 80.94 | 0.85 | 89.95 |
| असम | 99.41 | 58.61 | 76.92 | | | 96.19 | | 88.32 |
| बिहार | 96.39 | 61.64 | 94.85 | | 52.45 | 100.48 | 0.03 | 95.06 |
| दिल्ली | 87.10 | | 80.94 | 26.27 | 98.12 | 72.25 | - | 77.83 |
| गुजरात | 96.34 | 49.79 | 88.30 | | 37.45 | 73.65 | 0.01 | 81.24 |
| हरियाणा | 115.85 | 37.41 | 81.33 | | 49.72 | 65.23 | 0.52 | 72.22 |
| हिमाचल प्रदेश | 96.39 | 43.26 | 81.56 | | 58.33 | 73.39 | - | 73.57 |
| जम्मू और कश्मीर | 95.29 | 69.86 | 74.95 | | - | 79.67 | | 85.75 |
| कर्नाटक | 102.34 | 61.66 | 86.05 | | 98.62 | 80.86 | 0.47 | 85.86 |
| केरल | 100.10 | 65.11 | 89.69 | | 45.58 | 69.51 | 5.97 | 81.04 |
| कोलकाता | 100.68 | 58.10 | 84.67 | | 94.12 | 81.15 | 4.32 | 83.38 |
| मध्य प्रदेश | 104.12 | 52.16 | 84.78 | | 53.72 | 90.14 | 0.19 | 86.13 |
| महाराष्ट्र | 103.82 | 55.29 | 90.74 | | 71.78 | 90.77 | 0.34 | 89.24 |
| मुंबई | 80.45 | | 69.17 | 47.56 | 73.53 | 73.56 | - | 71.73 |
| उत्तर–पूर्व | 98.12 | 76.30 | 75.79 | | - | 94.48 | | 90.22 |
| ओड़ीशा | 97.51 | 75.18 | 84.38 | | 25.68 | 94.05 | 0.24 | 89.82 |
| पंजाब | 104.67 | 47.95 | 79.23 | | 38.82 | 67.32 | 0.10 | 76.49 |
| राजस्थान | 96.90 | 48.09 | 86.29 | | 45.38 | 79.93 | 0.54 | 84.15 |
| तमिलनाडु (चेन्नई सहित) | 96.61 | 69.79 | 88.08 | | 69.48 | 75.61 | 0.82 | 83.92 |
| उत्तर (प्रदेश–पूर्व) | 107.53 | 43.02 | 85.22 | | 50.00 | 91.24 | 0.35 | 87.49 |
| उत्तर प्रदेश (पश्चिम) | 110.06 | 45.72 | 81.69 | | 61.29 | 79.30 | 0.13 | 82.14 |
| पश्चिम बंगाल | 97.37 | 91.85 | 84.64 | | 34.52 | 92.84 | 1.57 | 90.69 |
| **कुल** | 99.86 | 57.52 | 86.08 | 33.89 | 70.91 | 82.99 | 0.71 | 85.17 |

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

# वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

| सेवा क्षेत्र | सेवा प्रदाता समूह | | | | | | | | | | | | | | कुल संख्या | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | बीएसएनएल | | एमटीएनएल | | भारती | | रिलायन्स कम्यु. | | टाटा | | क्वाडेंट | | वोडाफोन | | | |
| | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 | अप्रैल, 2019 | मई, 2019 |
| आन्ध्र प्रदेश | 929792 | 904091 | | | 203118 | 209347 | 46096 | 43647 | 172516 | 172679 | | | 59640 | 59670 | 1411162 | 1389434 |
| असम | 109943 | 108515 | | | | | | | | | | | 2940 | 2940 | 112883 | 111455 |
| बिहार | 211802 | 208772 | | | | | 3192 | 3184 | 8409 | 8476 | | | 1740 | 1800 | 225143 | 222232 |
| दिल्ली | | | 1477034 | 1471685 | 1467120 | 1483397 | 113333 | 109546 | 154607 | 156851 | | | 55630 | 57150 | 3267724 | 3278629 |
| गुजरात | 943710 | 882568 | | | 92120 | 93777 | 18284 | 17499 | 88362 | 88073 | | | 28841 | 29040 | 1171317 | 1110957 |
| हरियाणा | 206246 | 203350 | | | 23268 | 23420 | 2576 | 2270 | 34910 | 35618 | | | 210 | 210 | 267210 | 264868 |
| हिमाचल प्रदेश | 108653 | 106942 | | | | | 2751 | 2810 | 1855 | 1831 | | | 60 | 30 | 113319 | 111613 |
| जम्मू और कश्मीर | 102985 | 101465 | | | | | | | | | | | | | 102985 | 101465 |
| कर्नाटक | 1003824 | 987511 | | | 687156 | 694705 | 126259 | 118466 | 270204 | 270580 | | | 46737 | 51117 | 2134180 | 2122379 |
| केरल | 1776179 | 1766137 | | | 61642 | 62211 | 16654 | 15280 | 18849 | 18774 | | | 3630 | 3720 | 1876954 | 1866122 |
| कोलकाता | 474913 | 467369 | | | 130290 | 131505 | 39024 | 38077 | 53047 | 52934 | | | 8900 | 10930 | 706174 | 700815 |
| मध्य प्रदेश | 648103 | 645734 | | | 243764 | 244661 | 9995 | 9708 | 14205 | 14271 | | | 1080 | 1110 | 917147 | 915484 |
| महाराष्ट्र | 1064015 | 1044829 | | | 96170 | 98871 | 46291 | 44431 | 276485 | 270599 | | | 23154 | 23241 | 1506115 | 1481971 |
| मुंबई | | | 1757249 | 1752113 | 372867 | 379134 | 167767 | 163151 | 557517 | 557555 | | | 55993 | 55768 | 2911393 | 2907721 |
| उत्तर–पूर्व | 103253 | 102591 | | | | | | | | | | | 270 | 270 | 103523 | 102861 |
| ओड़ीषा | 220573 | 218168 | | | | | 2465 | 2265 | 8705 | 8490 | | | 2310 | 2310 | 234053 | 231233 |
| पंजाब | 387436 | 379139 | | | 133490 | 136015 | 11355 | 10734 | 12306 | 12264 | 220534 | 219353 | 1590 | 1620 | 766711 | 759125 |
| राजस्थान | 434553 | 428428 | | | 55776 | 56725 | 20214 | 19486 | 11561 | 11683 | | | 11760 | 12330 | 533864 | 528652 |
| तमिलनाडु (चेन्नई सहित) | 1405130 | 1390337 | | | 554556 | 553410 | 68122 | 65804 | 120523 | 123599 | | | 20380 | 20920 | 2168711 | 2154070 |
| उत्तर (प्रदेश–पूर्व) | 341373 | 331316 | | | 65452 | 64600 | 6009 | 5692 | 8365 | 8440 | | | 12110 | 12200 | 433309 | 422248 |
| उत्तर प्रदेश (पष्चिम) | 261505 | 257702 | | | 24022 | 24180 | 3294 | 3089 | 4780 | 4888 | | | 4260 | 4350 | 297861 | 294209 |
| पश्चिम बंगाल | 206095 | 207445 | | | | | 1686 | 1613 | 2374 | 2426 | | | 120 | 120 | 210275 | 211604 |
| कुल | 10940083 | 10742409 | 3234283 | 3223798 | 4210811 | 4255958 | 705367 | 676752 | 1819580 | 1820031 | 220534 | 219353 | 341355 | 350846 | 21472013 | 21289147 |
| जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या | | -197674 | | -10485 | | 45147 | | -28615 | | 451 | | -1181 | | 9491 | | -182866 |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 2861339 | 2804486 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1409 | 1349 | 48987 | 47976 | 44992 | 44298 | 0 | 0 | 2956727 | 2898109 |

अनुलग्नक–**IV**

## वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ है:–

| | |
|---|---|
| 1. | एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए) |
| 2. | घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ) |
| क. | जांच/सेवा कार्ड |
| ख. | कर्मचारी |
| ग. | हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड) |
| घ. | उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति |
| ङ | कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति |
| 3. | उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी) |

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————